श्री अमित शाह
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी)

कार्यकाल का संक्षिप्त विवरण
18 माह (अगस्त 2014 – जनवरी 2016*)

Download Photographs from: http://amitshah.co.in/tag/gallery-timeline/

* 19 जनवरी 2016 तक

प्रवास

- पार्टी परियोजनाओं के लिए पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से सीधा संपर्क करने हेतु श्री शाह ने विभिन्न प्रदेशों में प्रवास को प्राथमिकता देते हुए जनवरी 2016 तक के अपने 18 माह के कार्यकाल में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रतिदिन 495 किमी के औसत से कुल 2,65,600 किमी की यात्रा की है |

- चुनाव के अतिरिक्त किसी और प्रयोजन के लिए पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा निजी विमान के उपयोग पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध लगाने का निर्णय किया और स्वयं भी इस नियम का पालन किया |

- सामान्य परिस्थितियों में प्रवास के दौरान महंगे होटलों में ठहरने पर रोक लगा कर सरकारी गेस्ट हॉउस में रुकने के लिए पार्टी के पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया और स्वयं इस नियम का पालन किया |

- कार्यकर्ताओं से सीधे संपर्क को बढ़ावा देने के लिए पदाधिकारियों को रात्रि प्रवास के लिए प्रोत्साहित किया और स्वयं रात्रि प्रवास के आग्रह का पालन किया और ८० % से अधिक प्रवासों में रात्रि निवास किया |

- देश के समस्त राज्यों में प्रवास किया और सभी सांसदों, विधायकों, प्रदेश पधाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों से संवाद किया | इसी क्रम में अधिकतर स्थानों में शुद्ध रूप से संगठनात्मक विषय चर्चा का केद्र रहे |

- संगठन में विकेन्द्रीकरण को बल देते हुए क्षेत्रीय बैठकों की परंपरा पुर्नस्थापित की |

प्रवास

प्रवास विवरण - मासिक

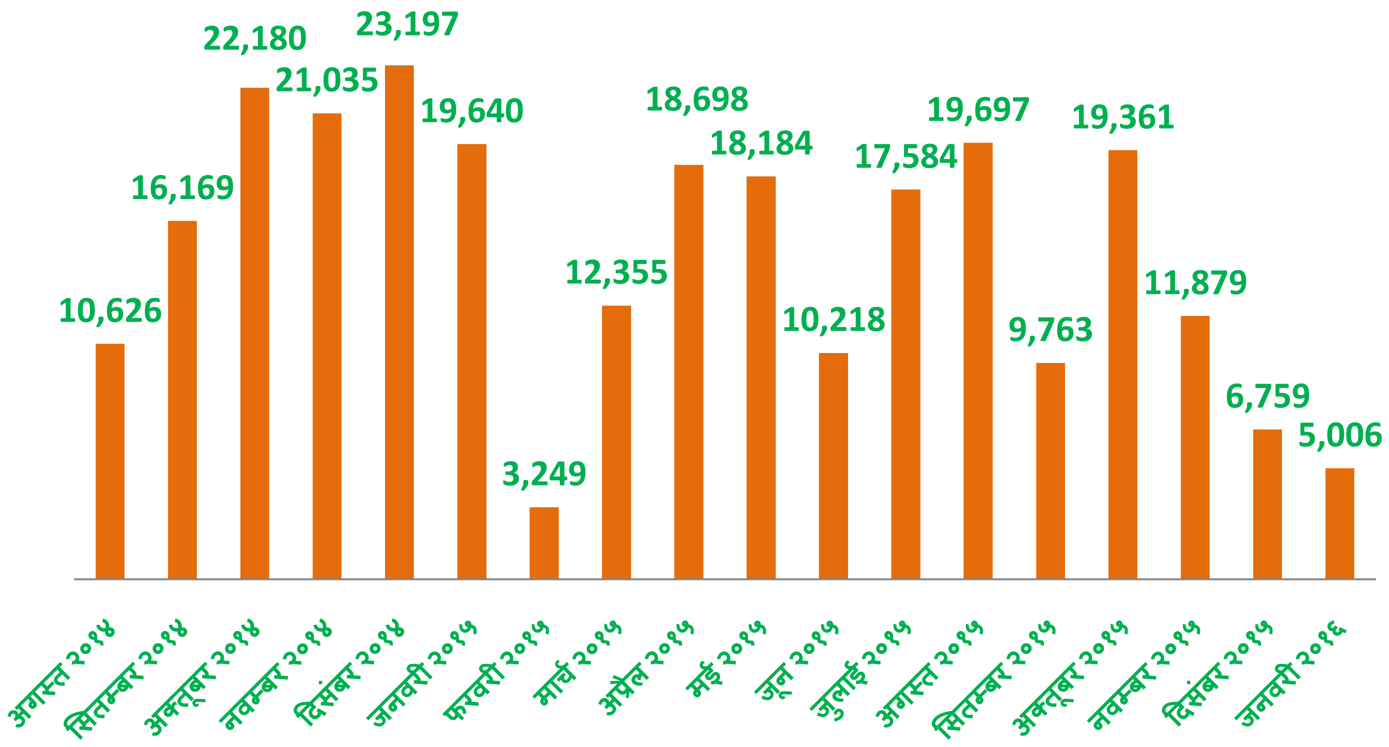

प्रवास

प्रवास विवरण - विशिष्ट प्रयोजन

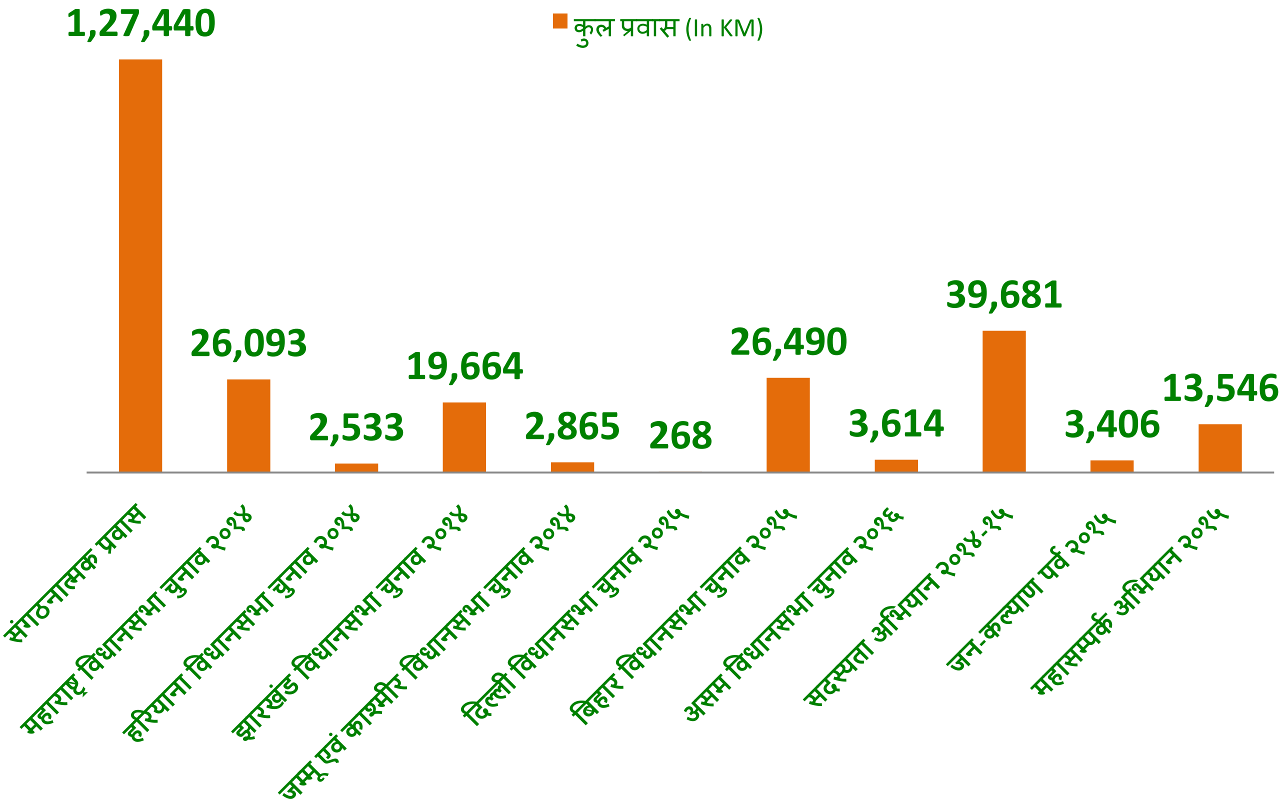

प्रवास

राज्यों का प्रवास

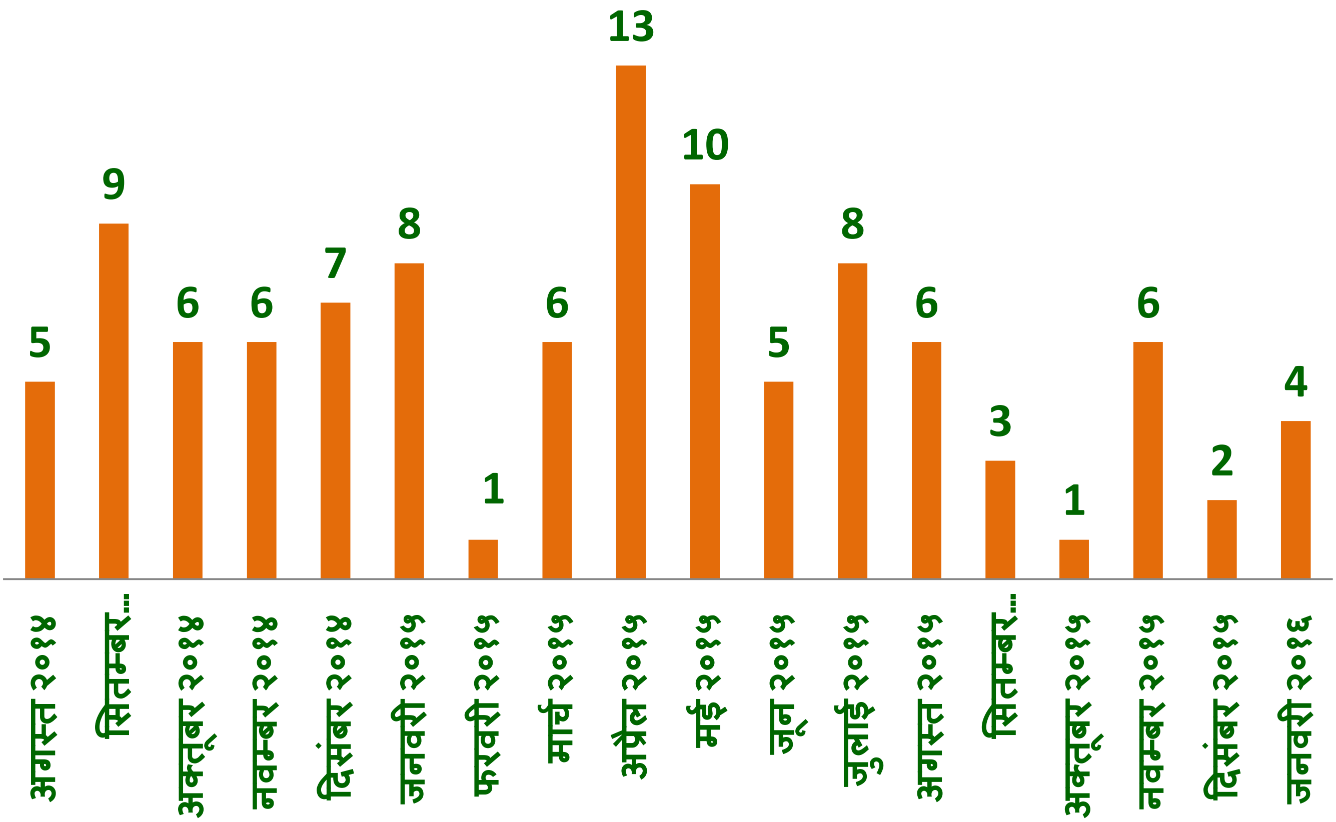

प्रवास

राज्यों में कुल प्रवासों की संख्या - 142

राज्यवार प्रवास

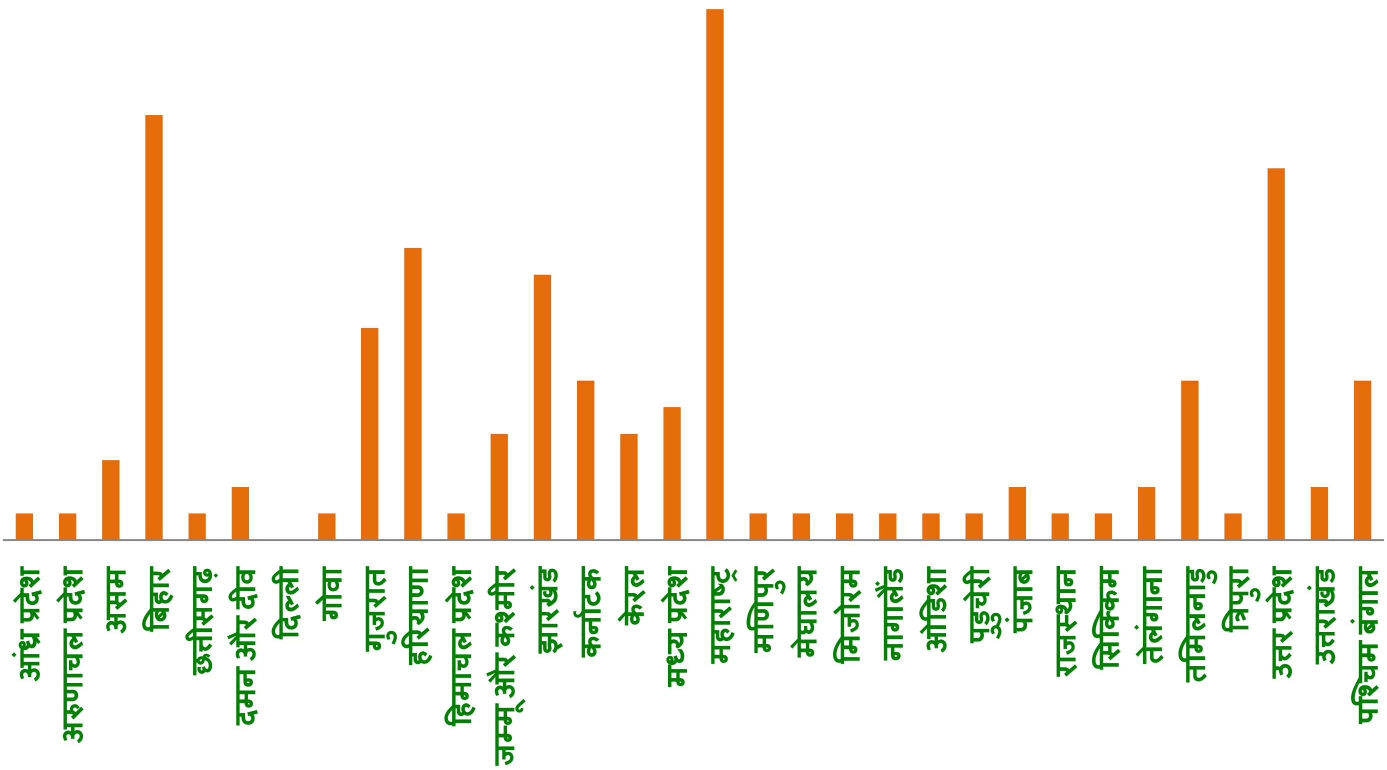

प्रवास

कुल रैलियों की संख्या - 176

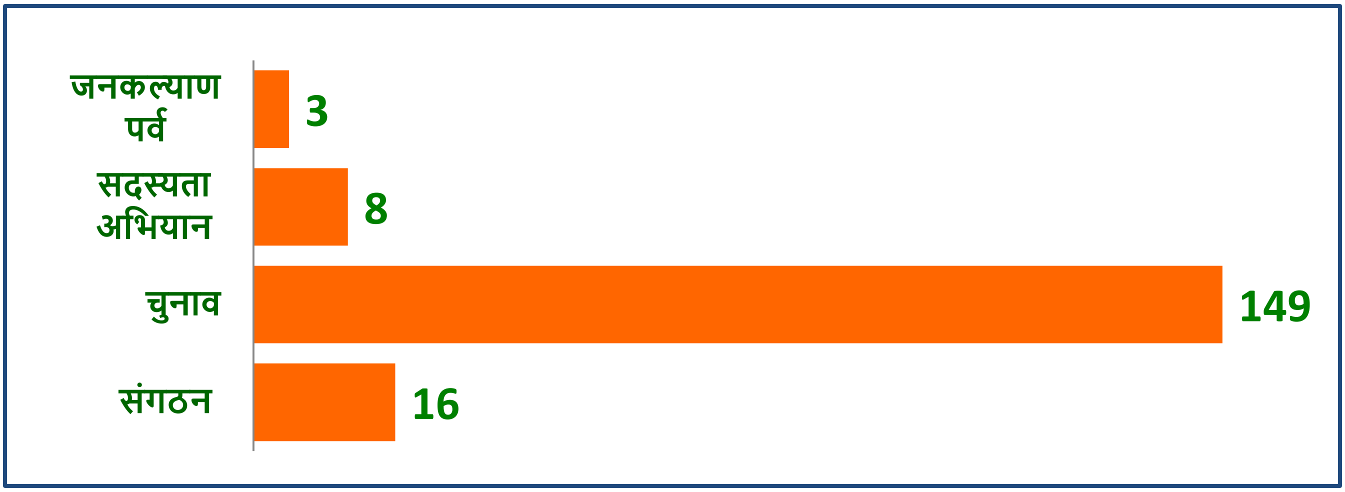

संगठन पर्व

- भाजपा में प्रत्येक छः वर्षों के अंतराल पर सदस्यता अभियान का प्रचलन रहा है | अमित भाई ने पार्टी अध्यक्ष का पद ग्रहण करने के तुरंत बाद अगस्त 2014 में दिल्ली में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में पार्टी के संविधान में संशोधन लाकर सदस्यता अभियान को नया और प्रभावी स्वरुप दिया|

- श्री अमित शाह ने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम किया और इस दौरान 39,681 किमी की यात्रा करके देश के सभी राज्यों में प्रवास किया | इन अथक प्रयासों का ही प्रभाव था कि पार्टी ने सदस्यता के पूर्व के सारे कीर्तिमानो को तोड़ते हुए सदस्यों की संख्या 2,47,32,439 से लगभग पांच गुना बढ़ा कर 11,08,88,547 तक पहुंचा दी|

- सदस्यता अभियान को गति देने के लिए 50 से भी अधिक प्रकार के अलग अलग कार्यक्रम पार्टी द्वारा किये गए |

- सदस्यता अभियान की पारिदर्शिता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहली बार सभी नए बने सदस्यों के नाम के साथ-साथ उनका पता और फोन नंबर भी संग्रहित किया जा सका |

- Information Technology से संचालित होने की वजह से सदस्यता अभियान को पारदर्शी करके फर्जी सदस्यता को समाप्त किया जा सका |

- आन्ध्र प्रदेश, असम, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे सात पारंपरिक रूप से कमजोर राज्यों में सदस्यता अभियान के दौरान विशेष ध्यान दिया गया |इन प्रयासों के परिणाम उत्साहवर्धक थे जो की पार्टी के उज्जवल भविष्य को इंगित करते है |

- इन राज्यों में 5500 पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं ने छः महीने तक सदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई |

- सदस्यता अभियान में उत्तरपूर्व एवं केन्द्रशासित राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए उनको केंद्र में रख कर बैठकें की गयी |

संगठन पर्व

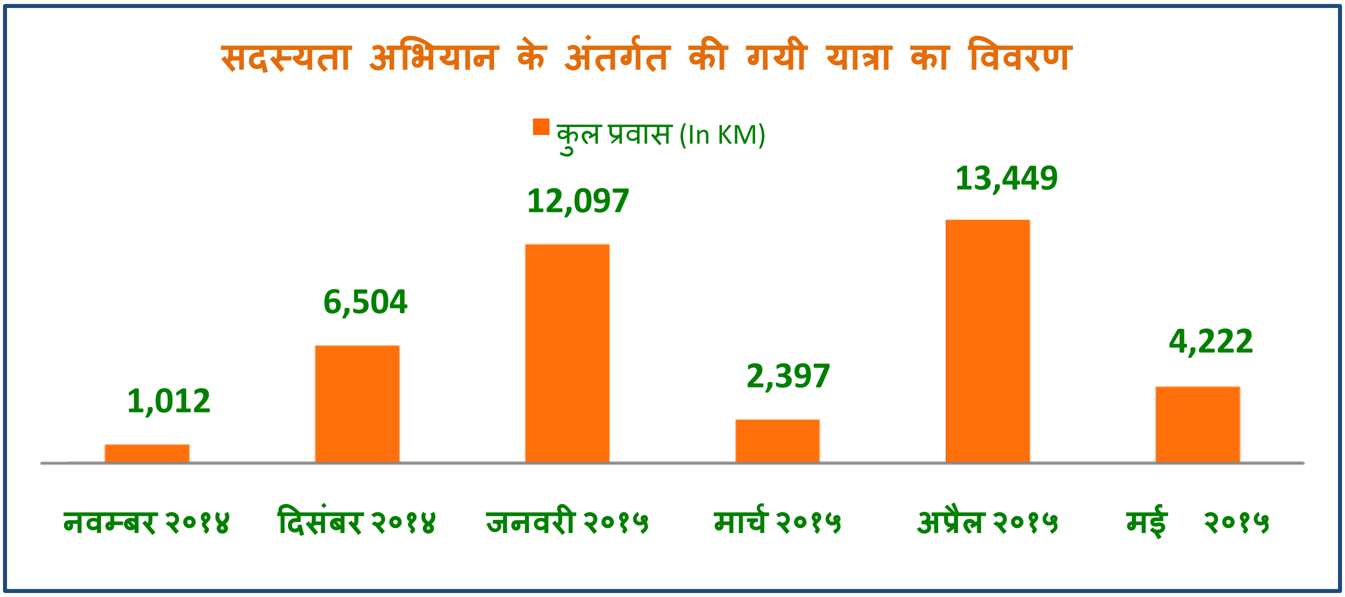
सदस्यता अभियान के अंतर्गत की गयी यात्रा का विवरण
कुल प्रवास (In KM)
1,012
6,504
12,097
2,397
13,449
4,222
नवम्बर २०१४
दिसंबर २०१४
जनवरी २०१५
मार्च २०१५
अप्रैल २०१५
मई २०१५

सशक्त भाजपा
सशक्त भारत
साथ आएं - देश बनाएं
भाजपा के सदस्य बनें
मोबाइल से निशुल्क डायल करें
1800 266 2020
भाजपा सदस्यता अभियान 2014-15

संगठन पर्व

प्रदेश स्तर पर बने नए प्राथमिक सदस्यों की संख्या

प्रदेश	प्राथमिक सदस्यों की संख्या	
	पूर्व में	30 नवम्बर '15 तक
सम्पूर्ण भारत	29055220	11,08,88,547
आंध्र प्रदेश	199105	2885158
अंडमान और निकोबार	19478	8156
अरुणाचल प्रदेश	241180	92806
असम	251143	3015297
बिहार	2000000	6886245
चंडीगढ़	19000	100502
छत्तीसगढ़	1357415	2212515
दादर और नगर हवेली	20000	27646
दमन और दीव	11620	29062
दिल्ली	794690	4445172
गोवा	31800	76535
गुजरात	4381881	11900934
हरियाणा	250000	2685217
हिमाचल प्रदेश	434462	352907
जम्मू और कश्मीर	81000	640863
झारखंड	21000	2682259
कर्नाटक	4380071	7486569
केरल	468000	1515979
लक्ष्यद्वीप	212	430
मध्य प्रदेश	4290486	9603881
महाराष्ट्र	2956592	10875838
मणिपुर	24500	183959
मेघालय	26356	33081
मिजोरम	5350	9957
नागालैंड	12500	45043
ओडीशा	365977	3150911
पुडुचेरी	17047	47854
पंजाब	700000	2394944
राजस्थान	1369774	8211675
सिक्किम	1800	26981
तमिलनाडु	961736	3723286
तेलंगाना	447045	1113553
त्रिपुरा	9000	123626
उत्तर प्रदेश	1699000	18666212
उत्तराखंड	581000	1013922
पश्चिम बंगाल	625000	4416450
आबंटित नहीं		122619

संगठन पर्व

प्रदेश स्तर पर प्राथमिक सदस्यों के बढ़ोत्तरी की दर (%)

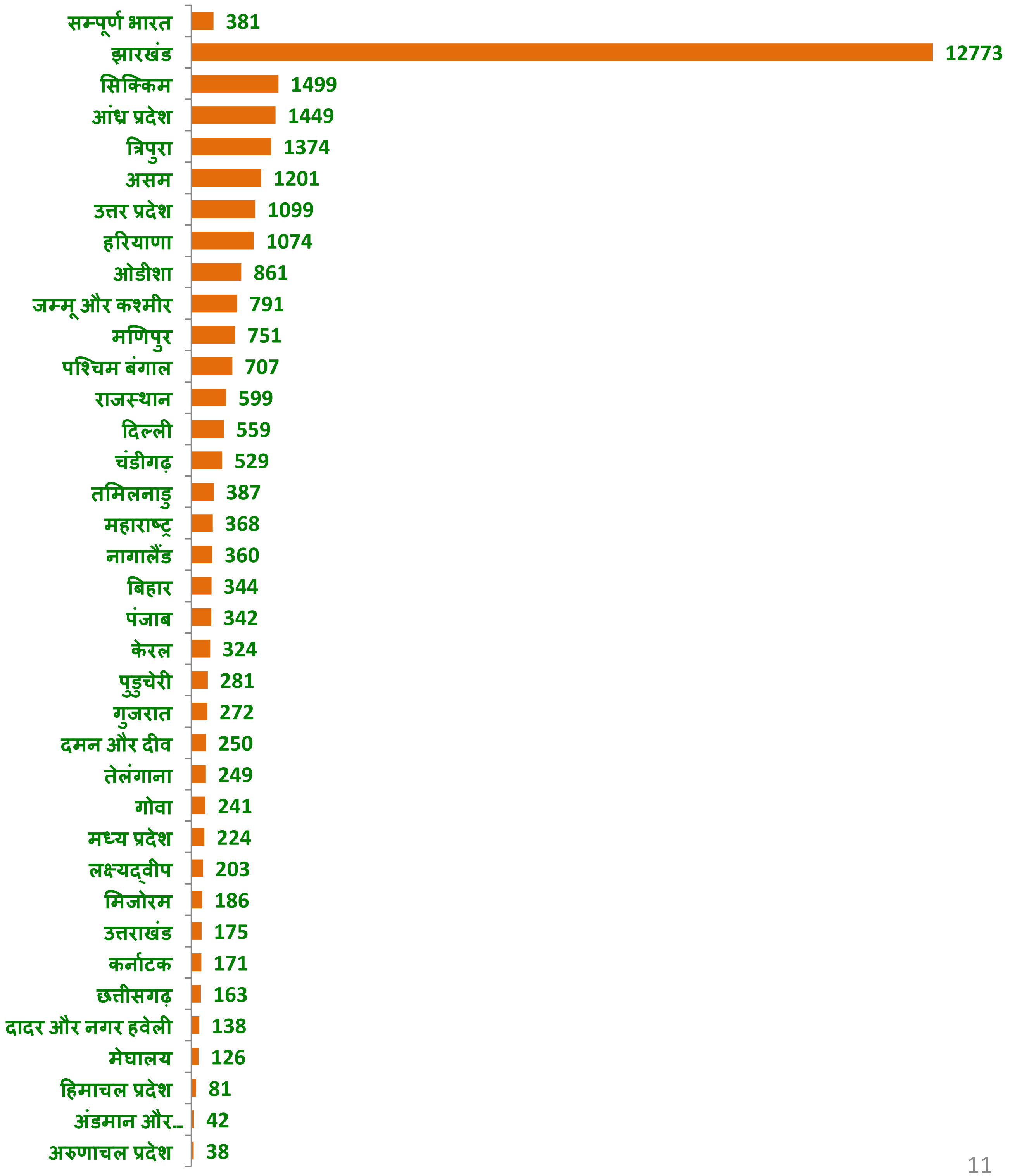

सम्पर्क

- हर माह के पहले और तीसरे सोमवार को भाजपा मुख्यालय में प्रातः 09:30 से दोपहर 02:00 बजे तक हर स्तर के पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से बिना किसी पूर्व अपॉइंटमेंट के भेंट की परम्परा शुरू की और 02:00 बजे के बाद आम जनता एवं कार्यकर्ताओं से भी जनसंवाद की परम्परा शुरू की |

- पूर्वोतर समेत देश के सभी राज्यों में प्रवास कर जिला स्तर तक के पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया और इन प्रवासों के दौरान प्रदेश के विधायकों, सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी की|

- संगठनात्मक विषयों पर विशेष बल देने के लिए हर तीन महीने में संगठन मंत्रियों के साथ बैठकें की |

- परिवार क्षेत्र के सभी संगठनों के साथ निरंतर संपर्क रख पार्टी के साथ समन्वय पर जोर दिया |

- विभिन्न राज्यों के प्रवास के दौरान वह सभी लोग जो की दिल्ली में मिलने के लिए प्रयासरत थे उनसे मिलने के लिए हर प्रवास में 2 घंटे का समय अलग से रखा |

भाजपा कार्यालय में जनसंवाद का विवरण

कुल मिलने वालों की संख्या – 6048

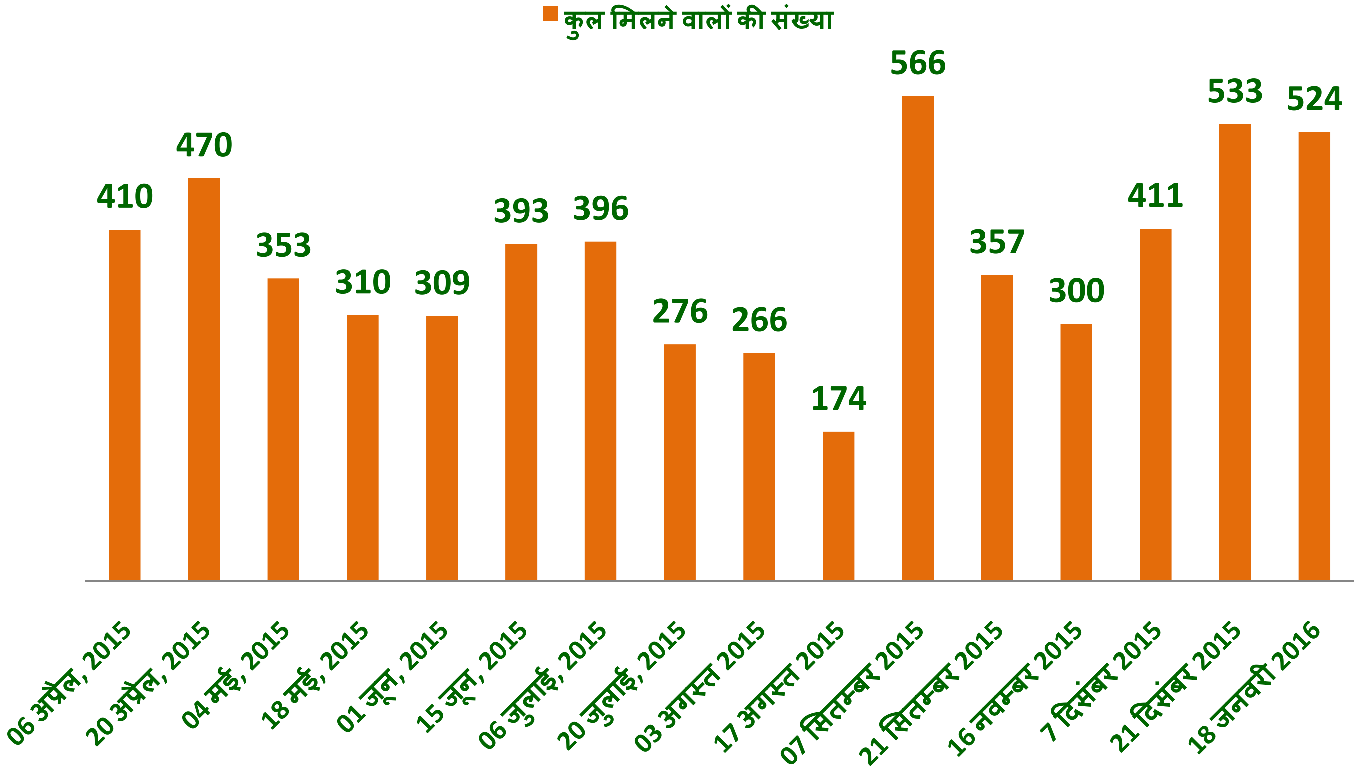

प्रशिक्षण अभियान

- अपने एक वर्ष के कार्यकाल में श्री अमित शाह ने संगठन के विस्तार और सुदृढीकरण के लिए अथक प्रयास किये और पारम्परिक रूप से चलाये जाने वाले प्रशिक्षण अभियान को नए आयाम दिए | राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर पर पार्टी की स्थापना के बाद पहली बार प्रशिक्षण का आयोजन किया |
- श्री अमित शाह की अगुआई में मंडल स्तरीय कार्यकर्ता/पदाधिकारी प्रशिक्षण अभियान में नए कीर्तिमान बने | पूर्व के प्रशिक्षण में शामिल हुए कार्यकर्ताओं/ पदाधिकारियों की संख्या प्रतिवर्ष 3700 तक ही सीमित थी | परन्तु इस वर्ष के अभियान में अब तक की सहभागिता 5,25,003 तक पहुँच चुकी है और अभियान अभी भी जारी है |
- प्रशिक्षण अभियान के 11 लाख के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति की ओर तेजी से बढ़ रहा है |
- संगठन में विभिन्न स्तरों पर विशेष प्रशिक्षण के मापदंडों के निर्धारण पर चिंता की |
- प्रशिक्षण में सरलता के लिए पार्टी के साहित्य को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध करवा कर वितरित किया |

पार्टी के विभिन्न विभागों की कार्ययोजना का पुनर्गठन

- विभिन्न स्तरों पर पार्टी कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर पर विभिन्न विभागों एवं प्रकल्पों का पुनर्गठन करके उनके कार्यक्रमों का विस्तार किया |

- इस क्रम में पार्टी के विभिन्न विभागों को 19 विभागों में पुनर्गठित किया और 10 नए प्रकल्प बनाये |

केंद्रीय विभाग	
1	सुशासन तथा केंद्र - राज्य शासकीय कार्यक्रम समन्वय विभाग
2	नीति विषयक शोध विभाग
3	मीडिया विभाग
4	मीडिया संपर्क विभाग
5	प्रशिक्षण विभाग
6	राजनैतिक प्रतिपुष्टि और प्रतिक्रिया विभाग
7	राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं बैठकें विभाग
8	डॉक्यूमेंटेशन एवं ग्रंथालय विभाग
9	सहयोग, आपदीय राहत व सेवाएं विभाग
10	अध्यक्षीय कार्यालय, प्रवास एवं कार्यक्रम विभाग
11	प्रचार – साहित्य निर्माण विभाग
12	ट्रस्ट समन्वय विभाग
13	चुनाव प्रबंधन विभाग
14	चुनाव आयोग संपर्क विभाग
15	कानूनी और विधिक विषय विभाग
16	पार्टी पत्रिकाएं तथा प्रकाशन विभाग
17	आईटी, वेबसाईट और सोशल मीडिया प्रबंधन विभाग
18	विदेश संपर्क विभाग
19	आजीवन सहयोग निधि विभाग

पार्टी के विभिन्न विभागों की कार्ययोजना का पुनर्गठन

केंद्रीय प्रकल्प	
1	जिला कार्यालय निर्माण प्रकल्प
2	कार्यालय आधुनिकीकरण प्रकल्प
3	ग्रंथालय निर्माण प्रकल्प
4	ई ग्रंथालय प्रकल्प
5	स्वच्छता अभियान प्रकल्प
6	बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ प्रकल्प
7	नमामि गंगे प्रकल्प
8	राष्ट्रीय सदस्यता अभियान (प्रकल्प)
9	राष्ट्रीय महा संपर्क अभियान (प्रकल्प)
10	राष्ट्रीय प्रशिक्षण अभियान (प्रकल्प)

चुनावों में प्रदर्शन

विधानसभा चुनाव

इस दौरान हुए 6 राज्यों के चुनावों में भाजपा को अच्छी सफलता मिली जहां पार्टी पार्टी 4 राज्यों में जीत कर सरकार में वही 2 राज्यों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा |

- महाराष्ट्र में लम्बे समय से चले आ रहे गठबंधन के टूटने पर अकेले चुनाव लड़कर भाजपा को सबसे अधिक विधायकों वाली पार्टी बनाकर पहली बार प्रदेश में अपना मुख्यमंत्री बनाया |
- हरियाणा में बिना गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ने का साहसी निर्णय लिया और पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बना |
- लम्बे समय से अस्थिरता से अभिशप्त झारखण्ड में पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश को भाजपा के नेतृत्व में एक स्थायी सरकार दी |
- आजादी के बाद जम्मू कश्मीर में भाजपा को सर्वाधिक मत प्रतिशत मिला और गठबंधन सरकार में पार्टी का उपमुख्यमंत्री बना |
- दिल्ली में लगातार पिछले 3 चुनावों से हार रही पार्टी को इस बार भी पराजय का सामना करना पड़ा |
- बिहार में जदयू के साथ गठबंधन टूटने के बाद पार्टी ने पहली बार 160 सीटों पर चुनाव लड़ा | अनंत प्रयासों के बावजूद प्रदेश की नई परिस्तिथियों और विपक्ष के एकीकरण की वजह से पार्टी को हार का सामना करना पड़ा |

चुनावों में प्रदर्शन

विधानसभा चुनाव में मत प्रतिशत में बदलाव				
राज्य	पिछले चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत	वर्तमान चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत	मत प्रतिशत में बदलाव	टिपण्णी
महाराष्ट्र	12.2	27.8	+15.6	भाजपा का मुख्यमंत्री
हरियाणा	9.0	33.2	+24.2	भाजपा का मुख्यमंत्री
झारखण्ड	20.2	31.3	+11.1	भाजपा का मुख्यमंत्री
जम्मू एवं कश्मीर	12.5	23.0	+10.5	भाजपा का उप-मुख्यमंत्री
दिल्ली	33.0	32.2	-0.8	भाजपा हारी
बिहार	16.5	24.4	+7.9	भाजपा हारी

स्थानीय चुनाव

- मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, लेह-लद्दाख, अंडमान-निकोबार, असम और लक्ष्यद्वीप में हुए स्थानीय चुनावों में पार्टी की विजय हुई और केरल और त्रिपुरा में पार्टी ने इतिहास रचते हुए भारी सफलता पायी |
- गुजरात के स्थानीय चुनावों के परिणाम मिश्रित रहे हालांकि पार्टी ने यहाँ शहरी क्षत्रों में भारी सफलता पाई |
- इन स्थानीय चुनावों में स्वयं एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में पार्टी का नेतृत्व किया |

समन्वय

- पार्टी और सरकार के बीच समन्वय के लिए निरंतर प्रयास किये जिसके परिणाम आशानुरूप रहे।

समन्वय

सरकार और जनता के बीच समन्वय

- जनकल्याण पर्व के द्वारा सरकार के एक वर्ष के कार्यों को लगभग 4000 स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा जन-जन तक पहुचाने का काम किया |

- मुद्रा बैंक योजना, जन-धन योजना और रक्षाबंधन बीमा योजना को सफल बनाने के लिए विभिन्न प्रयास किये |

संलग्नक

विभागों एवं विकल्पों की विस्तृत रूप रेखा और कार्ययोजना ।

केन्द्रीय संगठन में कुल 19 विभागों के कार्यों की संरचना का पुनर्गठन किया गया | केंद्र के अलावा इनमे से कुछ विभाग प्रदेश में भी कार्य करेंगे परन्तु आवश्यकतानुसार इनके कार्य क्षेत्र भिन्न होंगे |

केंद्रीय विभाग	
1	सुशासन तथा केंद्र - राज्य शासकीय कार्यक्रम समन्वय विभाग
2	नीति विषयक शोध विभाग
3	मीडिया विभाग
4	मीडिया संपर्क विभाग
5	प्रशिक्षण विभाग
6	राजनैतिक प्रतिपुष्टि और प्रतिक्रिया विभाग
7	राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं बैठकें विभाग
8	डॉक्यूमेंटेशन एवं ग्रंथालय विभाग
9	सहयोग, आपदीय राहत व सेवाएं विभाग
10	अध्यक्षीय कार्यालय, प्रवास एवं कार्यक्रम विभाग
11	प्रचार – साहित्य निर्माण विभाग
12	ट्रस्ट समन्वय विभाग
13	चुनाव प्रबंधन विभाग
14	चुनाव आयोग संपर्क विभाग
15	कानूनी और विधिक विषय विभाग
16	पार्टी पत्रिकाएं तथा प्रकाशन विभाग
17	आईटी, वेबसाईट और सोशल मीडिया प्रबंधन विभाग
18	विदेश संपर्क विभाग
19	आजीवन सहयोग निधि विभाग

सुशासन एवं केंद्र राज्य समन्वय विभाग

- भाजपा शासित प्रदेशों के विशिष्ट मंत्रियों के सेमीनार एवं सम्मलेन आयोजित करवाना तथा इन सम्मेलनों में समविचारी संगठनों का सहभाग सुनिश्चित करना |

- भाजपा राज्य सरकारों की नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं में दृष्टिकोण तथा उद्देश्यों में समानता को प्रोमोट करने हेतु सम्मलेन आयोजित करना |

- किसी एक राज्य में कल्याणकारी एवं विकास कार्यक्रमों के सफल होने पर उन्हें अन्य राज्यों में क्रियान्वयन करने का प्रयास करना |

- भाजपा शासित राज्यों में सफल हुए कार्यक्रमों का अध्ययन करना तथा उनका डॉक्यूमेंटेशन करना |

- सरकार की नीतियों तथा कार्यक्रमों के बारे में समाचार पत्रों पत्रिकओं में होने वाली नकारात्मक आलोचना का डॉक्यूमेंटेशन |

नीति विषयक शोध विभाग

- केंद्र / राज्य सरकारों को नीति आदि विषयक शोध पत्र उपलब्ध कराना |

- विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा बनाई गई नीतियों में समानताओं एवं असमानताओं के बारे में शोध करना तथा पत्र उपलब्ध कराना |

- पार्टी की विचारधारा के आधार पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर नीति सम्बन्धी दस्तावेज तैयार कराना |

- चुनाव घोषणा-पत्र तथा विजन दस्तावेज तैयार करने हेतु पार्टी को शोध आधारित सहायता प्रदान करना |

- पुरे विश्व की महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टिओं के चुनाव घोषणा-पत्रों को एकत्रित करना उनकी विषय – वास्तु का विश्लेषण तथा तुलना करना |

मीडिया विभाग

- प्रतिदिन तथा विशिष्ट प्रेस सम्मेलनों का समन्वय करना – पूर्व योजना, प्रेस नोट बनाना और कवरेज सुनिश्चित करना |

- पार्टी के नेताओं की प्रतिक्रियाएं मीडिया में प्रकाशित हों, यह सुनिश्चित करना |

- भाजपा के अनुकूल मीडिया में चर्चा हेतु वार्ता बिंदु / प्रष्टभूमि सामग्री तैयार करना |

- मीडिया मॉनिटर तैयार करना और उसका उचित वितरण करवाना |

- विशिष्ट चैनलों में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए सही व्यक्ति की तैनाती सुनिश्चित करना |

- यदि चर्चा का परिणाम अच्छा नहीं है , तो प्रवक्ता के साथ परामर्श / चर्चा करना

- नीति विषयक शोध विभाग के साथ रोजाना समन्वय तथा इंटरैक्ट करना |

- पार्टी के पक्ष में / सकारात्मक द्रष्टिकोण के साथ लेख / सम्पादकिय तैयार करना |

मीडिया संपर्क विभाग

- सभी समाचार – पत्रों एवं उनके संपादकों के साथ समय – समय पर इंटरेक्शन द्वारा वार्ता तथा सौहाद्रपूर्ण सम्बन्ध सुनिश्चित करना |

- यह सुनिश्चित करना कि इस प्रकार की इंटरेक्शन से सन्देह एवं भ्रान्तिया दूर हों | पार्टी की स्तिथि भी बताना तथा इन संपादकों के साथ पार्टी के नेताओं की बैठकों का समन्वय करना |

- विद्वान नेताओं, स्तंभकारों के साथ संवाद करना और उन्हें पार्टी की नीतिओं, कार्यकर्मों तथा सरकारी पहलों के बारे में जानकारी देना |

- संपादकों तथा स्तंभकारों को पार्टी की विचारधारा से अवगत करना |

- लेखों / सम्पादक को लिखे गए उन पत्रों का मिलान करना, जो गलत धारणाओं पर पर आधारित हैं और एक ऐसा प्रक्रिया बनाना जिसके द्वारा इन आरोपों का जोरदार तरीके से खंडन किया जाये तथा उन्हें स्पष्ट किया जाये |

- उन स्तंभकारों की पहचान करना, जो पार्टी के पक्ष में है और उनके साथ नियमितरूप से संवाद किया जाये |

प्रशिक्षण विभाग

- मंडल, जिला प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए एक कार्यक्रम तैयार करना |

- निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण के लिए एक विषय – सूचि बनाना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाना और पार्षदों, महापौरों, विधायकों एवं सांसदों का प्रशिक्षण सुनिश्चित करना |

- प्रशिक्षण सत्रों के लिओये ऑडियो – विजुअल सामग्री तैयार करना और महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्रों की डॉक्यूमेंटेशन के लिए रिकॉर्डिंग करना |

- सभी राज्य इकाइयों को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहायता प्रदान करना |

- अन्य राजनीतिक पार्टियों के साहित्य को एकत्रित करना व उसका विश्लेषण करना |

राजनीतिक फीडबैक विभाग

- राजनीतिक वातावरण का विश्लेषण करना और एक सामरिक चिंतन – प्रक्रिया विकसित करना |

- मीडिया में नकारात्मक मुद्दों का प्रतिकार करने हेतु एक युक्तिसंगत पार्टी रणनीति बनाना – क्या कहना है, क्या नहीं कहना है, नए कार्यक्रम, आन्दोलन आदि |

- स्तिथि का मौके पर मूल्यांकन करना |

- विपक्ष का प्रतिकार करने हेतु एक रणनीति बनाना – नकारात्मक मुद्दों पर उनका विरोध करना |

राजनैतिक कार्यक्रम एवं बैठक विभाग

- ❑ राष्ट्रीय कार्यक्रमों के उद्देश्य तय करना और उनके बारे मैं सकारात्मक राय तैयार करना |
- ❑ इस चिंतन प्रक्रिया के आलोक में कार्ययोजना / कार्यक्रम तय करना |
- ❑ कार्यक्रम का प्रबन्ध करना और उचित अनुवर्ती कार्यवाही सुनिश्चित करना |
- ❑ राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए प्रोटोकॉल बनाना |
- ❑ अच्छी बैटन को उजागर करना प्रत्येक कार्यक्रम / बैठक की और उसकी कमियों का विश्लेषण करना तथा प्रत्येक कार्यक्रम के निष्कर्ष की समीक्षा करना |

ग्रंथालय एवं डाक्युमेंटेशन विभाग

- ❑बैठकों के वृत्त को रखने के लिए एक प्रक्रिया विकसित करना |
- ❑बैठकों में लिए गए निर्णयों के आधार पर 'की – गई कार्यवाही' रिपोर्ट तैयार करना |
- ❑यह सुनिश्चित करना कि विभिन्न प्रस्तावों, प्रेस नोटों और अन्य दस्तावेजों में कोई गलती न हो |
- ❑पार्टी के ग्रंथालय के वर्तमान प्रशासन की समीक्षा करना |
- ❑जिला एवं प्रदेश स्टार पर होने वाले सभी नए एवं अभिनव कार्यक्रमों का डॉक्यूमेंटेशन करना और उन्हें सही फोल्डरों में सुरक्षित रखना |
- ❑नेताओं और पार्टी कार्यक्रमों के फोटो का मिलान करके उन्हें डिजीताईज करना |
- ❑एक ऐसा वायब्रेंट ग्रंथालय स्थापित करना जिसका पार्टी के पदाधिकारी उपयोग कर सकें |
- ❑ ग्रंथालय पत्रिकाओं को नियमित रूप से अद्धतन बनाने की प्रक्रिया विकसित करना |
- ❑पार्टी ग्रंथालय में एक रिकॉर्ड अनुभाग बनाना |
- ❑पार्टी के सभी पुराने दस्तावेजों को डीजीताईज करना और उसके लिए एक व्यस्था बनाना

आपदा राहत एवं सहायता विभाग

- मंत्रियो, पार्टी सदस्यों और जनता के बीच बैठकों का समन्वय करना |

- इस व्यवस्था की समीक्षा करना तथा यदि कोई बाधा हो , तो उसे दूर करना |

- उन सभी राज्यों में ऐसी व्यवस्था स्थापित करना जहाँ पार्टी सत्ता में हैं |

- ऐसी बैठकों का रिकॉर्ड रखना और यह भी सुनिश्चित करना कि पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण हो |

- आपदा के समय राहत सामग्री एकत्रित करके तथा उसका नितरां करके लोगों की सहायता करना |

अध्यक्षीय कार्यालय, कार्यक्रम समय सारिणी एवं प्रवास विभाग

- अध्यक्षीय प्रवास की अग्रिम योजना बनाना |

- अध्यक्षीय प्रवास के लिए उचित प्रोटोकॉल स्थापित करना, ठहरने का स्थान, राज्य पदाधिकारियों के साथ बैठक, वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आदि |

- एक राज्य पदाधिकारी (परन्तु राज्य प्रभारी नहीं) अध्यक्ष के साथ जयेगा और राज्य में उनके प्रवास में समन्वय करेगा |

- यह सुनिश्चित करना कि अध्यक्ष के प्रवास का भलिभांति डॉक्यूमेंटेशन हो, उसका मूल्यांकन हो और उसके बाद चुनिंदा लोगों की बैठक में उस पर चर्चा हो |

- अध्यक्षीय प्रवास के लिए उचित प्रोटोकॉल स्थापित किये जायें और उनका अनुपालन सुनिश्चित किया जाये

- यह सुनिश्चित करना कि पार्टी अध्यक्ष समाज के सभी वर्गों के लोगों से इंटरैक्ट करें |

प्रचार साहित्य निर्माण विभाग

- पार्टी द्वारा हाथों में लिए गए कार्यक्रमों के लिये समय – समय पर साहित्य तैयार करना और उसका वितरण सुनिश्चित करना |
- यह सुनिश्चित करना कि इन प्रकाशनों में कोई गलती न हो और ऐसी व्यवस्था स्थापित करना कि प्रकाशन निर्धारित समय सीमा में प्रकाशित हों

ट्रस्ट समन्वय विभाग

- पार्टी से सम्बंधित विभिन्न ट्रस्टो का उचित प्रबन्धन |
- उचित ऑडिट, प्रशासन तथा उचित निगरानी सुनिश्चित करना |

राज्यों में :-

- ट्रस्ट संघठनों का उचित सञ्चालन एवं प्रशासन सुनिश्चित करना |
- इन ट्रस्टों के उचित उद्देश्य एवं कार्य तय करना तथा उनकी समय – समय पर समीक्षा करना |
- ट्रस्टों के लिए उपेक्षित मानव संसाधनों तथा वित्तीय संसाधनों की समीक्षा करना |
- यह सुनिश्चित करना कि इन ट्रस्टों के नियम एवं विनियमों का पालन हो रहा है |

चुनाव प्रबंधन विभाग

- केंदीय नेताओं के चुनाव प्रचारों का समन्वय करना जिसमें प्रवास, प्रचार सम्बन्धी सामग्री तैयार करना व उसका वितरण करना तथा चुनाव सम्बन्धी अन्य कार्य |
- चुनाव प्रचार में उत्पन्न होने वाले क़ानूनी मामलों को निपटाने हेतु रणनीति बनाना |

चुनाव आयोग के साथ समन्वय हेतु विभाग

- चुनाव आयोग के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाये रखना |
- चुनाव आयोग द्वारा आयोजित सभी बैठकों में पार्टी का प्रतिनिधित्व करना |
- चुनाव आयोग को पार्टी की शिकायतों / राय के बारे में अवगत करना |
- चुनाव आयोग के साथ औपचारिक पत्राचार करना और उसे अपेक्षित दस्तावेज उपलब्ध करवाना |
- पार्टी नेतृत्व से चुनाव सुधारों के बारे में निर्देश लेना तथा उन्हें चुनाव आयोग को बताना |

विधि एवं विधिक मामलों सम्बन्धी विभाग

- विभिन्न न्यायलयों में पार्टी का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना |

- पार्टी के कानूनी मामलों की समीक्षा करना |

- पार्टी के लिए महतवपूर्ण मुद्दों को सक्रिय रूप से चिन्हित करना और उन्हें जनहित याचिकाओं के माध्यम से प्रकाश में लाना |

- उन पार्टी कार्यकर्ताओं की सहायता करना जो पार्टी विचारधारा के कारन मुकदमें लड़ रहे हैं |

पार्टी पत्रिकाओं एवं प्रकाशनों सम्बन्धी विभाग

- पार्टी की अधिकारिक पत्रिका कमल सन्देश का प्रबंधन एवं प्रकाशन जिसमे विषय वस्तु प्रकाशन, वितरण एवं समग्र समन्वय शामिल |

- पार्टी पत्रिकाओं की समय – समय पर समीक्षा |

- राज्य इकाइयों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं की विषयवस्तु, की समीक्षा, विषय – वास्तु का मानकीकरण और यह सुनिश्चित करना कि वे पार्टी के अंदर और पार्टी के बाहर अपना प्रभाव बढायें |

राज्यों में :-

- विभिन्न राज्यों में 22 पत्रिकाएं प्रकाशित की जा रही है और 8 लाख प्रतियां वितरित की जा रही है |

- वर्ष 2016 में इनकी संख्या तीन गुना करने की हमारी योजना है |

- हमारी यह योजना है कि प्रत्येक क्षेत्रीय पत्रिका में स्टैण्डर्ड विषयवस्तु हो जिसमे 5 पृष्ठ केंद्रीय योजनाओं के लिए, 5 पृष्ठ प्रेरणादायी साहित्य के लिए हों |

- प्रत्येक राज्य से यह भी अपेक्षा है की वह 3 – 5 पुस्तकें / पर्चे प्रकाशित करें |

- इन पर्चो / पुस्तकों के विषयों में विचारधारा के बारे में स्पष्टता, पार्टी के महान इतिहास का संकलन और पार्टी नेताओं के प्रेरणादायी कार्य शामिल होंगे |

आई. टी. वेबसाईट और सोशल मीडिया गतिविधियां समन्वय विभाग

- पार्टी वेबसाइट, फेसबुक पृष्ठ की विषयवस्तु, प्रस्तुतीकरण एवं नियमित रूप से अधतन बनाने के कार्य को देखना |

- पार्टी के सोशल मीडिया पर प्रभाव को सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाना |

- प्रचार तथा पार्टी के खिलाफ झूठे आरोपों का खंडन करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना |

- वरिष्ठ नेताओं की विभिन्न पार्टी, मोर्चो विभागों की गतिविधियों के प्रचार हेतु सोशल मीडिया का उपयोग करना |

- उन लोगों को उचित रेसपांस देना, जो पार्टी के साथ सोशल मीडिया और वेबसाइट पर इंटरैक्ट करते है |

- राज्य इकाइयों की वेबसाइट के प्रबंधन के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना उनकी विषयवस्तु एवं प्रस्तुतीकरण की समय – समय पर समीक्षा करना

- पार्टी नेताओं के लिए सोशल मीडिया के बारे में समय – समय पर परामर्श एवं चर्चाओं का आयोजित करना और समर्थकों की संख बढ़ाने के लिए कदम उठाना |

- यह सुनिश्चित करना कि पार्टी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर कोई गलत जानकारी न छपे और उन्हें हैक होने से बचाएं |

विदेश संपर्क विभाग

- ओवरसीज फ्रैंड्स ऑफ बीजेपी की विभिन्न इकाइयों का उचित प्रबंधन एवं विनियमन |

- पार्टी ओवरसीज फ्रैंड्स ऑफ बीजेपी तथा विदेश मंत्रालय के बीच समन्वय |

- राजनयिकों और पार्टी के बीच संपर्क एवं संवाद विकसित करना, यह सुनिश्चित करना कि राजनयिकों को पार्टी के बारे में सही जानकारी मिलें

- विदेशी दूतावासों तथा उच्चायोग मैं पार्टी का प्रतिनिधित्व करना |

- अन्तर्राष्ट्रीय ऑडियंस के लिए उचित साहित्य विकसित करना |

- विदेशी मीडिया के साथ संपर्क बनाना |

- यह सुनिश्चित करना कि अन्तर्राष्ट्रीय ऑडियंस को पार्टी के बारे में सही जानकारी मिले |

- ओवरसीज फ्रैंड्स ऑफ बीजेपी के कार्यों और विदेशों के प्रतिनिधियों के साथ हुई चर्चाओं का डॉक्यूमेंटेशन |

राज्यों में :-

- राज्यों और विदेशों में प्रवासी भारतियों (डायसपोरा) के साथ संपर्क में रहना |

- डायासपारा की भागीदारी के लिए ढांचा तैयार करना |

आजीवन सहयोग निधि विभाग

- आजीवन सहयोग निधि यह सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक पार्टीयों के प्रशासन के लिए संसाधन जुटाने में स्पष्टता / शुचिता हो|

- यह सुनिश्चित करना की सभी ईकाईयां पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा एकत्रित किये गए फंड से चलाई जाये |

- यह सुनिश्चित करना कि मंडल स्टार से प्रदेश स्टार तक की ईकाइयों का एक ही उद्देश्य हो |

- उद्देश्य के अनुसार लोगों में दायित्व बांटना और यह सुनिश्चित करना की वे अपना दायित्व निभाएं |

- उद्देश्य तय करते समय सभी ईकाइयों को यह स्मरण रखना चाहिए कि आजीवन निधि पर मिला ब्याज इकाई के लिए अगले ५ वर्षों के लिए पर्याप्त हों |

केंद्रीय कार्यालय के सुचारू संचालन के लिए बनी विभिन्न योजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध लक्ष्यप्राप्ति के लिए उन्हें प्रकल्प का रूप दिया गया |

केंद्रीय प्रकल्प	
1	जिला कार्यालय निर्माण प्रकल्प
2	कार्यालय आधुनिकीकरण प्रकल्प
3	ग्रंथालय निर्माण प्रकल्प
4	ई ग्रंथालय प्रकल्प
5	स्वच्छता अभियान प्रकल्प
6	बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ प्रकल्प
7	नमामि गंगे प्रकल्प
8	राष्ट्रीय सदस्यता अभियान (प्रकल्प)
9	राष्ट्रीय महा संपर्क अभियान (प्रकल्प)
10	राष्ट्रीय प्रशिक्षण अभियान (प्रकल्प)

जिला कार्यालय निर्माण प्रकल्प

- आज यह वास्तविकता है की देश के 78 फीसदी जिलों में पार्टी का अपना कार्यालय नहीं हैं | (स्वामित्व वाला)

- हर प्रशासनिक जिले में पार्टी के स्वामित्व का एक कार्यालय हो |

- शहरी, ग्रामीण तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए अलग – अलग माडल बनाये जायेंगे और उसी के अनुसार निर्माण होगा |

- सभी जिला कार्यालयों के निर्माण के लिए केंद्रीय व्ययस्था से कुछ अनुदान दिया जायेगा जहाँ भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है, वहां तय शुदा राशी से केवल पचास प्रतिशत अनिदान मिलेगा |

- इस अनुदान से होने वाले व्यय के लिए अलग अकाउंट खोला जाए और उसी में से व्यय किया जाए |

- यह कार्यालय 31 दिसंबर 2016 तक भूमि खरीदने का काम हो |

- नए और पुराने सभी जिला कार्यालयों में तयशुदा सुविधाएं उपलब्ध करना अनिवार्य है |

- इस जिला कार्यालय निर्माण प्रकल्प के लिए प्रदेशों में एक टीम बने जाये जो निरंतर कार्य की प्रगति की देख - रेख करे |

कार्यालय आधुनिकीकरण प्रकल्प

❑ केंद्र तथा सभी प्रदेश कार्यालयों में समान व्यवस्थाओं का निर्माण तथा समान पद्धति से उनका सञ्चालन हो |

❑ समान व्यवस्थाओं के अंदर निम्न्न बैटन का समावेश है |

1. Video conferencing
2. Audio bridge
3. Fax
4. Email
5. Xerox
6. Audio – Video recording and record keeping

❑ video conferencing तथा audio bridge के माध्यम से होने वाली बैठकों की frequency तथा उपयोगिता के तौर तरीकों के लिए protocols स्थापित करवाना |

❑ व्यवस्था इस तरीका से हो कि तहसील स्तर तक हर कार्यक्रम के पश्चात उसका structured report 24 घंटों में प्रदेश और ऊपर के स्तर पर भेजा जा सके |

❑ सभी आधुनिक सुविधाओं की मदद से 1950 से 2015 तक के कार्यकाल के लिए उस इकाई के इतिहास का संकलन एवं लेखन जिसमे पुराने कार्यकर्ताओं के द्वारा स्मृति संकलन, फोटो तथा अन्य दस्तावेजों का संकलन |

❑ पार्टी के स्थानीय इतिहास संकलन / लेखन का काम किसी ऐसे कार्यकर्ताओं को दिया जाये जो प्रमाणिकता से कार्य को Own करते हुए उसे निभाए |

❑ धीरे – धरी स्तिथियां ऐसी बने की अपनी गतिविधिओं के माध्यम से पार्टी जो इतिहास रचा रही है, वह लगभग उसी समय डॉक्यूमेंट भी हो रहा हो |

ग्रंथालय निर्माण प्रकल्प

प्रदेशों में

- **हर प्रदेश और जिला कार्यालय में एक ग्रंथालय निर्माण करना आवश्यक है |**

- **इन ग्रंथालय में पार्टी का इतिहास, नेताओं के चरित्र अन्य विचारधाराओं व राजनीतिक पार्टियों का साहित्य, देश और प्रदेश का इतिहास तथा गवर्नेंस संबंधी पुस्तकें मुख्या रूप में होंगी | पुस्तकों की न्यूनतम संख्या केंद्रीय स्तर पर निश्चित होगी |**

- **ग्रन्थ संग्रह में से 60 फीसदी पुस्तकें केंद्र के द्वारा जारी सूचि में से होंगे शेष 40 फीसदी स्थानीय आवश्यकता के अनुसार होगा |**

- **ग्रंथालयों की सदयस्ता तथा किताबें पढ़ने की प्रवृति बढ़ाने की दृष्टी से नियमित प्रयास ग्रंथालय के नाम का अभिन्न हिस्सा रहेगा |**

ई ग्रंथालय निर्माण प्रकल्प

- **इस सन्दर्भ में तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से एक रूप रेखा बने जा रही है | वह बनने के बाद इस सन्दर्भ में विस्तार से बताया जायेगा |**

स्वच्छता अभियान प्रकल्प

- यह एक अति महत्व का और मानवीय दृष्टी से हाथ लिया गया प्रकल्प है |

- इस प्रकल्प के तहत पुराने, सिर पर मैला ढोने की पद्धति के शौचालय समाप्त हो और इस काम में जुटे व्यक्तियों को अन्य आजीवका उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करना है |

- इसके तहत हे प्रदेश मैं इस पद्धति के शौचालय कहाँ –कहाँ है इसकी सूचि वितरित की गई है |

- इस सुची के आधार पर ऐसे शौचालयों को आधुनिक शौचाकयों मैं परिवर्तित करना एयर मैला ढ़ोने की मजबूरी से सम्बंधित व्यक्तियों को मुक्त कर उन्हें सम्मानजनक आजीविका साधन देना, यह हमारा काम है |

- दिसंबर 2016 तक हमें जिले अनुसार परिणाम देने वाले प्रयासों से स्वयं को जोड़ते हुए यह काम पूर्ण करना है |

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रकल्प

- यह कार्यक्रम मात्र सरकारी कार्यक्रम नहीं है, यह पार्टी के लिए भी आग्रह का विषय है |
- इस प्रकल्प के अंतर्गत :-

  - प्रचार

  - सरकारी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जन – जागरण और अन्य प्रयास |

  - बेटियों की भ्रूण हत्या पर रोक तथा स्कूलों में बेटियों का ड्राप आउट रेट कम हो, इस दृष्टी से सभी तरह के प्रयास हमें करना |

  - जहाँ बेटियों के ड्राप आउट होने की सम्भावना है, उन परिवारों के लिए महिला कार्यकर्ता की अभिभावक के रूप में नियुक्ति करते हुए ड्राप आउट न हो, इसके लिए प्रयास करना |

- पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का इस प्रकल्प में सहभाग होना आवश्यक है, फिर भी महिला कार्यकर्ता की एक समिति निभिन्न इकाइयों में इसकी निगरानी करें |

<u>नमामि गंगे प्रकल्प</u>

- यह प्रकल्प गंगा प्रदेश में गंगा नदी को शुद्ध रखने के लिए है |

- मगर जहाँ गंगा नहीं है, वहां सम्बंधित इकाइयां अपने गाँव – शहर की एक नदी को चुनते हुए उसे मैला होने से बचने के लिए काम करें |

- इसके तहत नदी जल की स्वछता बरकार रखने के लिए एक योजना बनाते हुए उसपर अमल करने की कल्पना है |

- इसके लिए भी ठीक योजना बनाना और उसपर निश्चित समय पत्रक के अनुसार और दायित्व करते हुए काम होना अपेक्षित है |